

<><><><><><><><>

- संसद का बजट सत्र दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण के साथ शुरू।
- वित्त मंत्री ने संसद में आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया—वित्त वर्ष—दो हजार पच्चीस में भारत के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में छह दशमलव चार प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान।
- कैम्पबेल बे में ग्रेट निकोबार आइलैंड प्रोजेक्ट के समग्र विकास पर बैठक का आयोजन।
- प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में भाग लेने द्वीपसमूह से भी श्रद्धालु पहुंचे।

<><><><><><><><>

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज संसद भवन में लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। राष्ट्रपति ने कहा है कि विश्वभर में अस्थिरता के बीच भारत आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्थिरता के एक स्तंभ के रूप में दुनिया के सामने उदाहरण पेश कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वर्ष दो हजार सैंतालीस तक देश की भावी पीढ़ियां, निश्चित रूप से एक विकसित, सुदृढ़, सक्षम और समृद्ध भारत बनकर उभरेंगी। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार, सुधार, कार्य निष्पादन और परिवर्तन के लक्ष्य के साथ देश के विकास और लोगों के कल्याण के लिए अभूतपूर्व गति से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बजट में पूंजी व्यय ग्यारह लाख करोड़ रुपये रखा गया, जो एक रिकार्ड है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार का मुख्य ध्यान युवाओं की शिक्षा और रोजगार के नये अवसर पैदा करने पर है। उन्होंने बताया कि एक करोड़ युवाओं को देश की पांच सौ बड़ी कंपनियों में इंटरनशिप उपलब्ध करायी जाएगी। महिला सशक्तिकरण पर राष्ट्रपति का कहना था कि सरकार महिलाओं के नेतृत्व में विकास के दृष्टिकोण के साथ काम कर रही है। देश में मजबूत डिजिटल ढांचे के निर्माण के लिए की गई पहल पर राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार ने सामाजिक न्याय और समानता के लिए डिजिटल टेक्नोलॉजी को माध्यम के रूप में अपनाया है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में भारत ने एआई मिशन शुरू किया है।

<><><><><><><><>

वित्त वर्ष—दो हजार पच्चीस में भारत के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में छह दशमलव चार प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है और वित्त वर्ष दो हजार छब्बीस में यह वृद्धि छह दशमलव तीन से छह दशमलव आठ प्रतिशत के बीच रहने की संभावना है। आज संसद के दोनों सदनों में वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन द्वारा प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण में यह अनुमान लगाया गया। आर्थिक सर्वेक्षण में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि घरेलू अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत बनी हुई है। इसमें उल्लेख किया गया है कि देश ने कृषि और सेवा क्षेत्र द्वारा समर्थित स्थिर आर्थिक विकास प्रदर्शित किया है। रिकॉर्ड खरीफ उत्पादन और अनुकूल कृषि परिस्थितियों के कारण ग्रामीण मांग में सुधार देखा जा रहा है। सर्वेक्षण में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि कमजोर वैश्विक मांग और घरेलू मौसमी परिस्थितियों के कारण विनिर्माण क्षेत्र को दबाव का सामना करना पड़ा। सर्वेक्षण ने देश की मध्यम अवधि की विकास क्षमता को मजबूत करने के लिए जमीनी स्तर के संरचनात्मक सुधारों और विनियमन के माध्यम से देश की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करने पर भी जोर दिया।

<><><><><><><><>

कैम्पबेल बे में आज ग्रेट निकोबार आइलैंड प्रोजेक्ट के समग्र विकास पर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में गृह मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव नितेश कुमार व्यास, मंत्रालय के अन्य अधिकारी, दक्षिण अंडमान ज़िला उपायुक्त अर्जुन शर्मा, निकोबार ज़िला उपायुक्त अमित काले और जी एन आई के कार्यकारी निदेशक उपस्थित थे। बैठक में परिवहन, बिजली, सड़क विस्तार, जल आदि पर चर्चा की गई। इसके अलावा परियोजना के लिए आवश्यक राजस्व भूमि, बंदरगाह अधिग्रहण, वन सीमांकन, जैसे विषय पर भी बैठक में चर्चा हुई।

<><><><><><><><>

